सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 09 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 10 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

ईश्वर ने हमें जन्म दिया है ताकि हम संसार में अच्छे काम करें और बुराई को दूर करें।

-गुरु गोबिंद सिंह

तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया... 7
उपेंद्र कर सकते हैं नयी पार्टी बनाने... 3
अखिलेश का गाजीपुर से मिशन... 2

पीएम मोदी ने किया इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन, विपक्ष ने कहा

कागजों पर हो रहा निवेश

» कांग्रेस ने बताया जनता को गुमराह करने वाली समिट

» अखिलेश ने कहा, झोला फैलाने से नहीं, इंसेंटिव देने से आता है निवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 में अपनी खिसकती जमीन को बचाने के लिए भाजपा हर पैतरे को आजमा रही है। आज से देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तीन दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसका शुभारंभ किया। इस समिट में भाजपा कई बड़े-बड़े निवेश प्रदेश में होने का दावा कर रही है, जिसके दम पर वो उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की धता पढ़ाकर, 2024 में इस राज्य में फिरसे एक बार अपनी पकड़ को मजबूत बना सके। हालांकि, इस इन्वेस्टर्स समिट को लेकर विपक्ष हमलावर है और इसे सिर्फ कागजों तक ही सीमित बता रहा है।

इस समिट के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई राज्यों में खुद जा जा कर लोगों से निवेश करने की अपील की थी। अब जब आज इन्वेसटर्स समिट का आयोजन हो चुका है, तब सरकार की ओर से तो अभी से ही कई बड़े-बड़े निवेश और एमओयू साइन होने की बात कही जा रही है। लेकिन जो निवेश और एमओयू होते हैं वो कभी जमीनी स्तर पर नजर नहीं आते हैं।

झोला लेकर भीख मांगने से नहीं मिलता निवेश : अखिलेश

सरकार पर हमला बोलते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को जनता की आंखों में धूल झोंकने वाला बताया। अखिलेश ने कहा कि तुम टाई और सूट पहन कर चले जाओ, तो बीजेपी वाले तुमसे भी एमओयू साइन करवा लेंगे। अखिलेश ने सवाल करते हुए पूछा कि जो लोग यहां निवेश करने आ रहे हैं और अपना उद्योग लगाने आ रहे हैं, आखिर उन्हें मिलेगा क्या? उन्होंने पूछा जब तक आप उन्हें पानी, बिजली और टैक्स में राहत नहीं देंगे तब तक वो यहां क्यों निवेश करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि निवेश इंसेंटिव से आता है और हमारे मुख्यमंत्री जी इतने कंजूस हैं कि कोई इंसेंटिव्स नहीं देने वाले। उन्होंने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि जगह-जगह झोला लेकर भीख मांगने से कोई निवेश नहीं मिलेगा। अखिलेश ने सीएम योगी और भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा से ज्यादा झूठा और नकलची कोई नहीं है।

“ अधूरे हवाई अड्डे होंगे, फीते कटेंगे, आपकी प्रचार की पोस्टर होगी लेकिन फ्लाइट नहीं होगी। कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी झूठ और गुमराह करने की राजनीति बंद होनी चाहिए।

अजय कुमाल लल्लू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस

ये है ग्लोबल इवेन्ट समिट : अखिलेश प्रताप

कांग्रेस ने भी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर निशाना साधते हुए इसे जनता को गुमराह करने वाला बताया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक और प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि ये ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट नहीं बल्कि 'ग्लोबल इवेन्ट समिट' है। अखिलेश प्रताप ने सवाल करते हुए पूछा कि सरकार का दावा है कि इस समिट में 21 लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा। अकेले यूपी उद्योग विभाग ने लगभग 320 करोड़ रुपए इस समिट के लिए जारी किए हैं। इस समिट के लिए देश की इवेन्ट मैनेजमेंट एजेंसियां हॉयर की गई हैं। सरकार बताए वह कौन-कौनसी इवेंट एजेंसियां हैं? वह कहां हैं? उनको कितना भुगतान किया जाना है? वो किस प्रक्रिया से हॉयर की गई हैं? अखिलेश ने कहा कि 2018 में भी इसी प्रकार की समिट हुई थी, जिसमें 4 लाख 28 हजार करोड़ रुपए के 1045 कंपनियों के साथ निवेश के एमओयू साइन होने की बात कही गई थी, लेकिन दो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में सिर्फ 371 कंपनियां ही भूमि पूजन के लिए आईं।

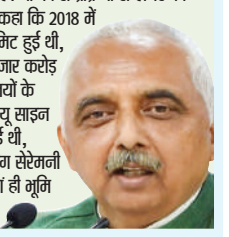

पास के लिए मीडिया व ट्रैफिक जाम से लोग परेशान

मीडिया के लोगों को इन्वेस्टर्स समिट के पास के लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। पास या तो किसी नेता के खास को मिल रहा है या फिर कुछ चाटूकारों को। वहीं जिस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को सफल बनाने के लिए पूरा सरकारी तंत्र कई महीनों से लगा हुआ है, वो भी बदइंतजामी का शिकार हो रही है। समिट के शुरू होने के दो दिन पहले से ही राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में लंबा ट्रैफिक जाम और रूट डॉयवर्जन बने हैं। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी कई किलोमीटर का लंबा ट्रैफिक जाम देखने को मिला।

डॉक्यूमेंट्री विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की बीबीसी बैन करने की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात के गोधरा कांड में पीएम मोदी की भूमिका को लेकर डॉक्यूमेंट्री बनाने और प्रसारित करने पर बीबीसी को बैन करने की मांग करने वाली याचिका को आज सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। ये याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि बीबीसी और बीबीसी इंडिया भारत में शांति और अखंडता को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह पूरी तरह गलत है और याचिका को खारिज कर दिया।

बता दें कि ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) ने 2002 के गुजरात दंगों में प्रधानमंत्री मोदी पर एक डॉक्यूमेंट्री प्रसारित की थी। जिसे केंद्र सरकार ने भ्रामक मानते हुए इस पर बैन लगा दिया था। इस प्रतिबंध के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। इस पर हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता और बीरेंद्र कुमार सिंह ने भारत में बीबीसी के संचालन पर ही बैन लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। एडवोकेट बरुण कुमार सिन्हा के माध्यम से दायर की गई इस याचिका में मांग की गई थी कि कोर्ट राष्ट्रीय जांच एजेंसी को निर्देश दे कि वह भारत विरोधी और भारत सरकार विरोधी रिपोर्टिंग/डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले पत्रकार के खिलाफ जांच करे। याचिका में बीबीसी पर अपना एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया और दावा किया गया कि बीबीसी भारत में व्याप्त शांति और राष्ट्रीय अखंडता को बाधित कर रहा है। गौरतलब है कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री India: The Modi Question 2002 में हुए गुजरात दंगों पर आधारित है। जिसे केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2022 के तहत मिली आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए भारत में दिखाने पर बैन कर दिया था।

अखिलेश का गाजीपुर से मिशन 2024 का आगाज

बीजेपी सरकार का पेश किया गया बजट विदाई बजट

» गाजीपुर में अखिलेश यादव का आजमगढ़ उपचुनाव में हार का छलक पड़ा दर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। गाजीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आजमगढ़ उपचुनाव में हार का दर्द छलक पड़ा। अखिलेश यादव ने मैनपुरी सीट पर भी बीजेपी की ओर से समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट को हराने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

अपने भाषण में अखिलेश यादव ने माना कि आजमगढ़ उपचुनाव में समाजवादी पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई थी, लेकिन, 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर उन्हें उम्मीद है कि एसपी कार्यकर्ता इस हद तक समाजवादी पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर काम करेंगे कि गाजीपुर से होते हुए आजमगढ़ और प्रदेश के दूसरे सिरे तक पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। अखिलेश यहीं नहीं रुके उन्होंने बीजेपी पर समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट को मैनपुरी उपचुनाव में हराने की कोशिश का आरोप लगाया। अखिलेश ने आरोप लगाया कि पहले बीजेपी ने अधिकारियों की सेटिंग की। उसके बाद मैनपुरी में पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई। अखिलेश ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि मंचासीन नेताओं और तमाम कार्यकर्ताओं ने मैनपुरी के घर-घर जाकर लोगों को समाजवादी पार्टी की नीतियों के बारे में इस हद तक बताया कि समाजवादी पार्टी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और बीजेपी की बड़ी हार हुई।

रामचरितमानस पर बहस बहुत लंबी : सपा प्रमुख

लखनऊ में लक्ष्मण की प्रतिमा लगवाने के सवाल पर सपा प्रमुख ने कहा कि जो आपने नहीं देखा, वो मैंने देखा है। सपा सरकार में बने एक्सप्रेस वे से ट्रक में प्रतिमा लाई गई थी। रामचरितमानस के सवाल पर सपा प्रमुख ने कहा कि बहस बहुत लंबी है। यह लड़ाई 5000 साल पुरानी है। समाजवादी पार्टी जातिगत जनगणना पर लड़ेगी। लखनऊ के इकाना स्टेडियम से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि लोक भवन सपा सरकार ने बनवाया और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने उद्घाटन किया था। इसी परिसर में मुख्यमंत्री बैठते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा भी लगा दी। जिस स्टेडियम में मुख्यमंत्री ने शपथ ली, वह भी सपा की देन है।

नाम बदलने के बजाय बीजेपी को विकास पर करना चाहिए फोकस : शिवपाल यादव

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का नाम बदलने की चर्चाओं के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। लखनऊ का नाम बदले जाने के प्रस्ताव और भगवान लक्ष्मण की मूर्ति लगाए जाने पर सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि मूर्ति लगाने और नाम बदलने के बजाय बीजेपी को विकास पर फोकस करना चाहिए। सपा नेता ने कहा कि नाम बदलने से कुछ नहीं होता है, लोग पुराने नाम ही बोलते रहते है भगवान लक्ष्मण की मूर्ति लगाने वालों को उनके आदर्शों पर चलते हुए संदेशों पर भी अमल करना चाहिए। इसके साथ ही सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर सपा नेता ने पल्ला झाड़ते हुए कहा स्वामी प्रसाद मौर्य जो कुछ भी बोल रहे है वह उनकी निजी राय है। और पार्टी का उससे कोई लेना देना नहीं है। समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग भगवान राम और भगवान कृष्ण दोनों का ही सम्मान करते है। उनकी पूजा करते हैं हम लोग सभी धर्मों और धर्म ग्रंथों का सम्मान करते है, बीजेपी के लोग बेवजह स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान को तूल दे रहे है। वहीं सपा नेता ने कहा कि मीडिया से भी अपील करता हूं कि वह इस मुद्दे को बेवजह तूल न दें वैसे स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी कभी ग्रंथ का विरोध नहीं किया है। इसके अलावा सपा नेता ने विधानसभा में आगे की सीट पर बैठने की संभावनाओं पर कहा कि विधानसभा में मेरी सीट पहले से निर्धारित है। यह पार्टी के नेता तय करते है कि किसे कहां बैठना है। विपक्ष पहले से ही सदन में बहुत मजबूत है। सपा नेता ने कहा कि सदन कम से कम 45 दिन चलना चाहिए ताकि सभी समस्याओं और मुद्दों पर चर्चा हो सके हम कहां बैठेंगे, मीडिया को इसकी ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिऐ शिवपाल यादव ने कहा कि सरकार विपक्ष का उत्पीड़न कर रही है, उत्पीड़न अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सभी मुद्दे सदन में उठाए जाएंगे।

केंद्रीय बजट पेश किए जाने को लेकर अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार का पिछले दिनों पेश किया गया बजट विदाई बजट है। इसके बाद उन्हें केंद्र में बजट पेश करने का अवसर नहीं नहीं मिलेगा। हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर अखिलेश ने केंद्र सरकार को एक बार फिर घेरा। अखिलेश ने कहा कि दोस्त-दोस्त को बचाने में लगे हुए हैं। अखिलेश ने बिना नाम लिए मोदी पर भी सियासी तंज किया। उन्होंने कहा कि मित्र की पहचान बुरे वक्त में होती है और देखना होगा कि क्या एक मित्र दूसरे मित्र को आर्थिक रुप से बचा पाता है।

एनडीएमसी के कर्मचारियों की बदल जाएगी जिंदगी : केजरीवाल

» अमित शाह ने सीएम को पत्र लिखकर एनडीएमसी के 4500 कर्मचारियों को स्थायी करने की दी सूचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के 4,500 कर्मचारियों को नियमित किए जाने के बारे में सूचित किया है। इसके बाद गृह मंत्री शाह का आभार जताते हुए केजरीवाल ने कहा कि स्थायी नौकरी से इन हजारों लोगों की जिंदगी बदल जाएगी।

केजरीवाल ने कहा कि सरकार का काम अपने कर्मचारियों और जनता का ख्याल रखना होता है। मैं इन कर्मचारियों की नौकरी पक्की किए जाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभारी हूं। इससे पहले केजरीवाल की अध्यक्षता में एनडीएमसी ने 2019 में नौकरी पक्की करने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा था। साथ ही उन्होंने इस मुद्दे को लेकर शाह से मुलाकात भी की थी। केजरीवाल ने इस महीने की शुरुआत में आरएमआर कर्मचारियों को नियमित करने के लिए गृह मंत्री को पत्र लिखा था। उन्होंने इस संबंध में बीते 22 मार्च को भी शाह को पत्र लिखा था। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के आरएमआर कर्मचारियों ने अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग को लेकर हाल के दिनों में कई बार मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। एनडीएमसी के वाइस चेयरमैन सतीश उपाध्याय ने इससे पहले दिन में आप सुप्रीमो पर क्रेडिट छीनने की ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया था।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह से मिले मुख्यमंत्री सुक्खू, बोले-

एससी के आदेश के बावजूद नहीं मिले 4500 करोड़

» सीएम ने पावर प्रोजेक्ट में प्रदेश की हिस्सेदारी 12 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का किया आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में हिमाचल की 4500 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी को रिलीज करने के निर्देश देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीबीएमबी में हिमाचल प्रदेश की हिस्सेदारी को चुकता करने के आदेश दे रखे हैं। मगर, प्रदेश को अब तक यह राशि नहीं दी गई है। यह राशि पंजाब और हरियाणा ने हिमाचल को देनी है। सीएम सुक्खू ने 25 वर्ष पहले शुरू किए गए पावर प्रोजेक्ट में प्रदेश की हिस्सेदारी 12 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश की हाइड्रो पावर क्षमता के लगभग 12 हजार मेगावाट का अभी दोहन किया जाना शेष है। हिमाचल की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में यह प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के साथ सतलुज जल विद्युत निगम द्वारा कार्यान्वित की जा रही लुहरी विद्युत परियोजना का मामला भी उठाया। परियोजना की व्यवहारिकता को देखते हुए राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए केंद्र की सहमति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शानन परियोजना की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। इसे आगे के निष्पादन के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने लेह की तर्ज पर हिमाचल के स्पीति क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी प्लांट स्थापित करने का आश्वासन दिया।

हिमाचल देश का एकमात्र सरप्लस बिजली तैयार करने वाला राज्य

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का एकमात्र ऊर्जा सरप्लस राज्य है और प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। बता दें कि मुख्यमंत्री सुक्खू 2 दिन से दिल्ली दौरे पर हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पटोले के इस्तीफे से एमवीए की गिरी सरकार का दावा गलत

» अतुल लोंधे ने कहा- सामना में छपा यह आरोप अनुचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस ने शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के मुखपत्र सामना के इस दावे का खंडन किया कि नाना पटोले के विधानसभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से पिछली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई थी। सामना कॉलम के जवाब में कांग्रेस ने कहा कि एमवीए सरकार के पतन को जिम्मेदार ठहराने के लिए सामना में छपा यह आरोप अनुचित है।

कांग्रेस नेता अतुल लोंधे ने कहा कि पटोले ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया था, बल्कि यह पार्टी की तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की सलाह पर लिया गया था। लोंधे ने कहा कि शिवसेना को अपने गठबंधन सहयोगी के फैसले का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह गठबंधन के विचार के केंद्र में है। लोंधे ने कहा कि यह आरोप बेबुनियाद और निराधार है कि स्पीकर के रूप में पटोले के इस्तीफे से एमवीए सरकार में संकट पैदा हो गया था। उन्होंने कहा कि पटोले का इस्तीफा ही एकमात्र कारण था जिसके कारण एमवीए सरकार संकट में पड़ गई और अंततः गिर गई।

नीतीश के सामने खड़ा हो सकता है चुनौतियों का पहाड़

उपेंद्र कर सकते हैं नयी पार्टी बनाने की घोषणा!

- जेडीयू से खुद नहीं निकलेंगे कुशवाहा!
- रणनीतिकारों का पार्टी के नाम पर विचार-विमर्श शुरू
- नीतीश के अंदाज में ही उन्हें घेरने की कोशिश करेंगे कुशवाहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। साल 2025 में बिहार में चुनाव होने वाले हैं। नीतीश कुमार ने कई दफे कहा है कि तेजस्वी इस दौरान नेतृत्व करेंगे। इस पर उपेंद्र कुशवाहा ने नाराजगी व्यक्त की और उनका कहना रहा कि क्या जेडीयू पार्टी में ऐसा कोई नहीं है जो आगे बिहार को लीड कर सके? वैसे कहा जाता है कि बिहार की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से चर्चित चेहरा बने उपेंद्र कुशवाहा बीजेपी में नहीं जाएंगे। उनकी अपनी पार्टी होगी। नयी पार्टी में उनके समर्थक ज्यादातर जेडीयू के लोग ही रहेंगे।

उपेंद्र कुशवाहा ने इसी हफ्ते साफ कर दिया था कि इस जीवन में वे बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। तब कुछ लोगों को अचरज हुआ था। कई लोग तो यह मान कर चल रहे थे कि कुशवाहा लोगों को भ्रम में रख रहे हैं। कुशवाहा के रणनीतिकारों की मानें तो वह बीजेपी की मदद कर सकते हैं, लेकिन बीजेपी के साथ सच में नहीं जाएंगे। दरअसल, उपेंद्र कुशवाहा सीएम नीतीश कुमार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने दो तरह की रणनीति बनायी है। पहला तो जेडीयू में रह कर ही नीतीश और उनके इर्दगिर्द के नेताओं को कठघरे में वह खड़ा करते रहेंगे। विरोध के लिए उन्होंने आरजेडी से नीतीश की डील और पार्टी के कमजोर होने का मुद्दा पहले से उठा दिया है। अब रोज-रोज नीतीश के खिलाफ नये मुद्दे उठाते रहेंगे।

कुशवाहा और जेडीयू नेतृत्व को भी पता है कि ऐसा बहुत दिन तक नहीं चलने वाला। आजिज होकर जेडीयू उन्हें निकालेगा ही। ऐसे में शहीद होने का लाभ कुशवाहा को मिल जाएगा और तब वह नयी पार्टी बनाने की घोषणा करेंगे। उपेंद्र कुशवाहा अगर नयी पार्टी बनाते हैं तो उसका नाम क्या होगा, इस पर उनके रणनीतिकारों ने विमर्श शुरू कर दिया है। सूचना यह है कि कुशवाहा की नयी पार्टी के नाम में जनता दल या समता पार्टी में से कोई एक नाम प्रमुख रूप से रहेगा। ऐसा करने पर लोगों को आसानी से पता चल जाएगा कि पार्टी वही है, फर्क सिर्फ इतना है कि इसमें नीतीश कुमार के मारे-सताए या जेडीयू के उपेक्षित लोग ही हैं। खुद को असली जनता दल बताने का पार्टी प्रयास करेगी। यानी आरजेडी का विरोध कुशवाहा की पार्टी का मूल मकसद होगा। यह ठीक वैसा ही कदम होगा, जैसा नीतीश कुमार ने जनता दल से अलग होने के बाद लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सरकार के विरोध के लिए समता पार्टी बनायी थी। यानी नीतीश के अंदाज में ही उन्हें घेरने की कुशवाहा कोशिश करेंगे।

'जेडीयू पार्टी किसी के कंट्रोल में है'

कुशवाहा ने आगे आशंका जताते हुए कहा कि जेडीयू पार्टी किसी के कंट्रोल में है। मुख्यमंत्री खुद अपने डिसीजन नहीं ले पा रहे। वो मेरे खिलाफ कितने सारे बयान दे रहे हैं। मैं तो केवल जेडीयू को मजबूत करना चाहते हूं। मुझे तो ये भी नहीं पता कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता मुझे क्यों बार-बार पार्टी छोड़ने के लिए कह रहे हैं। मेरे खिलाफ बयान दिए जा रहे। मैं तो अभी भी पार्टी को एकजुट करने में लगा हूं।

उपेंद्र कुशवाहा कुशवाहा ने तेजस्वी को नेतृत्व दिए जाने के बाद जेडीयू के पतन की बात कही है। इसके साथ ही कई वजह भी बताई हैं और गहरे संकेत दिए हैं कि अगर तेजस्वी को आगे बढ़ाया गया तो जेडीयू का पूरी तरह से अंत हो सकता है।

पार्टी में अब पदधारी नहीं रहे कुशवाहा

आरजेडी और जेडीयू के नेता उपेंद्र कुशवाहा के बागी तेवर देख कर आरोप लगाते रहे हैं कि वे बीजेपी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्हें जहां जाना है, जायें। नीतीश कुमार और जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा तो इतनी बेचैनी में हैं कि वे बार-बार कह रहे हैं कि उपेंद्र कुशवाहा को जहां जाना है, वहां जितनी जल्दी हो सके, चले जाएं। इधर उपेंद्र जेडीयू से अपने आप हिलने को तैयार नहीं हैं। उन्हें परेशान करने के लिए जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि पार्टी में कुशवाहा की औकात महज एक एमएलसी की है। वे पार्टी में अब पदधारी नहीं रहे। यानी संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष पद से पार्टी ने हटा दिया है।

पार्टी अपने वोट बैंक के बिना नहीं चल सकती

जेडीयू नेता ने कहा कि मैंने पार्टी की सिद्धांतों के खिलाफ कुछ नहीं किया है। मैं अभी भी जेडीयू को मजबूत बनाने के लिए सोचता हूं और कार्य कर रहा हूं। कोई भी पॉलिटिकल पार्टी उनके वोट बैंक के बिना नहीं चल सकती है। जेडीयू ओबीसी, दलित और महादलितों का वोट धीरे-धीरे खो रही है। साल 2020 के चुनाव में इसका एक चेहरा भी दिखा था। बीजेपी ने किस तरह से जेडीयू को पीछे किया था। उन्होंने नीतीश कुमार के बीजेपी में डील होने की बात पर कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता। हां लोग जरूर इस बारे में बात कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने कह दिया था कि वो बीजेपी के साथ फिर से नहीं जाएंगे।

आरजेडी के साथ हुई डील की बात पर चिंतित

कुशवाहा ने कहा कि मैं तो अपनी ही पार्टी से कुछ गंभीर सवाल करता रहता हूं। साल 2021 के मार्च में राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडीयू में विलय किया, तब वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के हिस्सा थे। इसके बाद यह महागठबंधन (आरजेडी के साथ) एक नए गठबंधन का हिस्सा बन गए। मेरे पास अभी भी बगावत करने का कोई मुद्दा नहीं था, लेकिन चिंता तब पैदा हुई जब दोनों के बीच किसी सौदे की बात हुई। कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तेजस्वी यादव को बिहार के भावी नेता के रूप में पेश करके मामले को उलझा दिया है।

जेडीयू के नेता और कार्यकर्ता भविष्य को लेकर आशंकित

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार के ऐसा करने से जेडीयू के नेता और कार्यकर्ता अपने फ्यूचर को लेकर आशंकित हो रहे हैं। दोनों ही पार्टी के विलय की बात चल रही है। मुख्यमंत्री ने तेजस्वी को लेकर मुझसे कोई बात नहीं की और अगर की होती तो मैं इसके लिए राजी नहीं होता। कहा कि मैं पार्टी का प्राथमिक सदस्य बनकर ही बहुत खुश हूं। जेडीयू आरजेडी के साथ गठबंधन करने में कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि, तेजस्वी को भविष्य के नेता के रूप में पेश करना जेडीयू का अंत कहा जा सकता है क्योंकि जनता दल यूनाइटेड कुछ लोगों की पार्टी नहीं है।

पंजाब में लोस का सेमीफाइनल, आप की अग्निपरीक्षा

कांग्रेस सहानुभूति को आधार बनाकर फिर से जीतने का करेगी प्रयास

- उपचुनाव को लेकर तैयारियां शुरू
- सीएम मान का फोकस जालंधर पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले पंजाब में जालंधर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी के निधन के बाद होने वाले उपचुनाव आम आदमी पार्टी के लिए अग्नि परीक्षा के समान हैं। जून माह 2022 में राज्य में हुए संगरूर संसदीय उपचुनाव हारने के बाद लोकसभा में आप की उपस्थिति शून्य हो चुकी है। यह सीट भगवंत मान के सीएम बनने के बाद खाली हुई थी, लेकिन पंजाब की इस हाईप्रोफाइल सीट पर शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान जीत गए थे। वह भी ऐसे समय में जब आप को सत्ता में आए हुए करीब 100 दिन ही हुए थे। राज्य में कई चुनावी वादे पूरा करने के दावे करने वाली आप के पास अब एक और मौका है जब वह लोकसभा चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए इस सीट को जीत सकती है। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं है कि कांग्रेस इस सीट पर सहानुभूति को आधार बनाकर फिर से जीतने का प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान पिछले 10 दिनों में जालंधर के तीन चक्कर लगा चुके हैं। वाराणसी के लिए एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाने, रविदास जयंती में भाग लेने के बाद वह शहर के उद्योगपतियों के साथ भी बैठक कर चुके हैं।

भाजपा के पास हैं कांग्रेस छोड़ चुके दिग्गज नेता

इसके अलावा भाजपा भी जालंधर सीट को जीतने के लिए खास रणनीति तैयार करेगी, भाजपा के पास वर्तमान में कांग्रेस को छोड़ भाजपा में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष सुनील जाखड़, पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल, बलबीर सिद्धू, श्याम सुंदर अरोड़ा और डॉ. राज कुमार वेरका जैसे अनुभवी नेता हैं।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा चुनाव में धराशायी हो चुका शिरोमणि अकाली दल भी इस उपचुनाव में अपने वजूद को साबित करने की कोशिश करेगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस उपचुनाव में आप सहित सभी राजनीतिक दलों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। निर्वाचन आयोग ने अभी तक जालंधर उपचुनाव की तारीख की घोषणा नहीं की है। लेकिन यह उपचुनाव 2024 लोकसभा चुनाव की दिशा और दशा के संकेत तय कर सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खनन की घटनाओं पर सरकार खामोश क्यों?

"इन खनन की घटनाओं से सरकार भलीभांति वाकिफ है लेकिन खामोश है। साफ तौर पर ये कहा जा सकता है कि सत्ता में बैठे राजनेता ही खनन माफिया को सहयोग देते हैं। सवाल ये है? कि आखिरकार कौनसी ऐसी मजबूरी है जो राजनेता इनका साथ देते हैं, जवाब चुनाव के दौरान लगने वाला बहुत सा पैसा जो इन नेताओं को चुनाव प्रचार के समय इन खनन माफियाओं से मिलता है।

आए दिन प्राकृतिक संसाधनों से छेड़छाड़ के मामले सामने आते रहते हैं। जिसे सीधे शब्दों में हम खनन का मामला कह सकते हैं। इन खनन की घटनाओं से सरकार भलीभांति वाकिफ है लेकिन खामोश है। साफ तौर पर ये कहा जा सकता है कि सत्ता में बैठे राजनेता ही खनन माफियाओं को सहयोग देते हैं। सवाल ये है कि आखिरकार कौनसी ऐसी मजबूरी है जो राजनेता इनका साथ देते हैं, जवाब चुनाव के दौरान लगने वाला बहुत सा पैसा जो इन नेताओं को चुनाव प्रचार के समय इन खनन माफियाओं से मिलता है। लेकिन कुछ राज्यों में इस खनन के मामले को रोकने के लिए कुछ सफल प्रयास किए हैं। उदाहरण के तौर पर हम पंजाब को ले सकते हैं। पंजाब सरकार ने खनन की घटनाओं को रोकने के लिए ऐसा कदम उठाया जिससे कि आए दिन होने वाली खनन की घटनाओं को कम किया जा सके। इसी सिलसिले में पंजाब सरकार ने प्रदेश भर में बजरी व रेत के दाम में कमी की है। सरकार के इस कदम से खनन की घटनाओं में कमी की जा सकती है। इसी कड़ी में पंजाब सरकार ने खनन की साइटें उपलब्ध करवाई हैं। इन साइटों पर रेत-बजरी की खनन की दर निर्धारित की गई है।

पंजाब सरकार ने आने वाले कुछ महीनों में ऐसी ही कुछ और साइटें खोलने का एलान किया है। ये कहना गलत नहीं होगा कि पंजाब में बनी आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के लोगों को सच में विकास की राह ले जा रही है। इस योजना के तहत अब पंजाब में किसी भी जगह पर रेत और बजरी निकालने के लिए मशीन का इस्तेमाल नहीं होगा और इन कार्यों में कोई भी ठेकेदार हस्तक्षेप नहीं कर सकेगा। अगर इस योजना में कोई नोटिस नहीं आती है, तो ये पंजाब के लिए काफी खुशहाली लाने वाली योजना साबित होगी। पंजाब सरकार इस योजना से अगर हरियाणा प्रेरित होता है तो हरियाणा में आए दिन बढ़ते खनन के मामलों को रोका जा सकता है। हरियाणा में अवैध खनन का खेल जो सरकार के नाक के निचे चल रहा है। उसको रोका जा सकता है। अवैध खनन का ये खेल सिर्फ पंजाब हरियाणा में ही नहीं सिमित है बल्कि ये राजस्थान समेत कई और राज्यों में जोर-शोर पर चल रहा है। ऐसा नहीं की पुलिस प्राशन हाथ पर हाथ धीरे बैठा है लेकिन जब भी पुलिस इन खनन माफियों के खिलाफ कार्यवाही करती है तो उन्हें मौत के घाट उतार दिया जाता है। दरअसल खनन के इस अवैध धंधे में कुछ बड़ी मछलियां हैं जो सरकार से बच जाती हैं और वो कहावत है न कि अगर आपको किसी बड़े तक पहुंचना है तो पहले छोटी मछलियों का शिकार करना होगा। ऐसा करने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए और इस तरह की योजनाएं बनानी चाहिए जिससे खनन माफियों के बुलंद इरादों को रौंदा जा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बांटने की सोच छोड़ मानवीय समाज बनायें

विश्वनाथ सचदेव

बरसों पहले बनी थी वह फिल्म जिसमें एक मुसलमान द्वारा एक अनाथ हिंदू बच्चे की परवरिश के दृश्य थे। उसी फिल्म का गाना है यह जिसमें गीतकार साहिर लुधियानवी ने कहा था, तू हिंदू बनेगा न मुसलमान बनेगा। इंसान की औलाद है इंसान बनेगा। लोग अक्सर इस गीत को गुनगुनाते रहते थे, अब भी अवसर आने पर दुहराते हैं। इस गीत में मनुष्य की एकता और समानता का एक संदेश है जो आज मनुष्य मात्र की आवश्यकता है। हाल ही में जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत का यह बयान सुना कि भगवान ने कहा है मेरे लिए सब एक हैं, उनमें कोई जाति-वर्ण नहीं है, लेकिन पंडितों ने शास्त्रों का सहारा लेकर जाति-आधारित ऊंच-नीच की बात की है, वह गलत है, तो अनायास ही मैं साहिर के इस गीत को गुनगुनाने लगा था। दरअसल आवश्यकता इस गीत को गुनगुनाने की नहीं, इसके भाव को समझने और उसके अनुसार आचरण करने की है।

मुम्बई में संत रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने जाति-प्रथा की विसंगति पर चोट करते हुए यह बात कही थी। कठौती में गंगा का मंत्र सिखाने वाले संत रविदास ने मनुष्यता का ही एक संदेश दिया था, जो आज भी हमारी आवश्यकता है। हमारी यानी मनुष्य मात्र की आवश्यकता। मोहन भागवत संत रविदास के इसी संदेश की बात कर रहे थे। यह दुर्भाग्य ही है कि मोहन भागवत की यह बात भी विवादों के घेरे में आ गयी है। ब्राह्मणों को यह शिकायत है कि भागवत ने उनका अपमान किया है। अब आरएसएस की तरफ से एक बयान जारी किया गया है कि भागवत के वक्तव्य का गलत अर्थ लगाया गया है। उन्होंने शास्त्रों का गलत आधार लेकर जाति-प्रथा को बढ़ावा देने वाले पंडितों यानी विद्वानों की बात की थी, ब्राह्मणों की नहीं। स्पष्ट है जाति की राजनीति करने वाले देश के ब्राह्मणों को नाराज करने का खतरा मोल नहीं लेना चाहते। लेकिन सवाल ब्राह्मणों या विद्वानों का नहीं है, सवाल इस सच्चाई का है कि जाति-प्रथा ने आदमी और आदमी के बीच दीवार खड़ी की है। इसका नुकसान सारा भारतीय समाज झेल रहा है।

यह दीवार टूटनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रवक्ता का यह कहना सही है कि ईश्वर सब प्राणियों में है, इसलिए रूप-नाम कुछ भी हो, लेकिन योग्यता एक है, कोई ऊंचा-नीचा नहीं है। शास्त्रों का सहारा लेकर जो जाति-आधारित ऊंच-नीच की बात करते हैं, वह झूठ है। सवाल यह उठता है कि प्रवक्ता को यह सफाई देने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? सरसंघचालक ने रविदास जयंती के अवसर पर जो कहा वह गलत कहां है? भागवत ने तार्किक पक्ष पर उंगली रखी है। भारत और भारतीय समाज जाति-प्रथा के अभिशाप को सदियों से भुगत रहा है। स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद जब हमने समता, न्याय और बंधुता के आधार पर अपना संविधान बनाया तो उम्मीद यह की गयी थी कि हमारा भारत एक ऐसा समाज बनेगा, जिसमें धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग के आधार पर किसी तरह का भेद-भाव नहीं बरता जायेगा। सब समान होंगे, सबको जीने, प्रगति करने का समान अधिकार होगा, समान अवसर मिलेंगे। पर, दुर्भाग्य से ऐसा हुआ नहीं, ऐसा होता नहीं दिख रहा। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, वर्ण के नाम पर आज भी हम बंटे हुए हैं। इसका कारण सिर्फ ब्राह्मणों या पंडितों या विद्वानों द्वारा शास्त्रों का झूठा हवाला देना नहीं है। ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद जाति या धर्म-आधारित व्यवस्था में कुछ सुधार नहीं हुआ। हुआ है सुधार और सुधार की कोशिशें भी होती रहती हैं, पर अब राजनीतिक स्वार्थों से हमें परिचालित किया जा रहा है। पंडित और ब्राह्मण के बीच अंतर बताने की विवशता के पीछे ऐसे ही स्वार्थ अपनी भूमिका निभा रहे हैं। अभी हम तुलसीकृत रामचरितमानस की एक चौपाई के विवाद से उबरे भी नहीं हैं कि एक नया विवाद खड़ा कर दिया गया है। चर्चित चौपाई से छोटी समझी जाने वाली जातियों के लोग नाराज हो रहे हैं और भागवत के कथन से ब्राह्मण

नाराज हैं। सच पूछा जाये तो ये दोनों विवाद बेमानी हैं। मानस की विवादित चौपाई में शूद्रों और नारियों को लेकर जो कुछ कहा गया है, वह न तुलसी ने कहा है, न उन्होंने राम के मुंह से कहलवाया है। वह कथन समुद्र का है। समुद्र के विचार हैं ये। तुलसी का राम तो शबरी के जूठे बेर खाता है, निषाद को गले लगाता है।

यह सब दिखा कर तुलसी ने यही समझाना चाहा है कि जाति या वर्ग के आधार पर आदमी और आदमी के बीच दीवार खड़ी करना ईश्वर-विरोधी कर्म है। आज भागवत समाज के प्रति जिस जिम्मेदारी की बात कर रहे हैं, उसके पीछे भी सामाजिक समानता की भावना ही है, होनी चाहिए। साहिर लुधियानवी ने अपने गीत इंसान की औलाद का हवाला देकर जो बात कही थी, वह एक शाश्वत सत्य है। इस सत्य को समझना-स्वीकारना होगा हमें।

आधारभूत संरचना की मजबूती में ही बचाव

अभिषेक कुमार सिंह

तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप ने साबित किया है कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने इंसान बौना है, वहीं भूकंप को समय रहते पहले से जान लेने की जरूरत रेखांकित हुई ताकि विनाश को न्यूनतम किया जा सके। नीदरलैंड्स के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स की काफी चर्चा है, जिन्होंने इस भूकंप के आने से चार दिन पहले 3 फरवरी को ही एक ट्वीट में चेताया था कि दक्षिण-मध्य तुर्की, जॉर्डन, सीरिया और लेबनान में रिक्टर पैमाने पर 7.5 या इससे भी अधिक की ताकत वाला भूकंप जल्दी ही आ सकता है। दावा है कि सोलर सिस्टम जियोमैट्री सर्वे के शोधकर्ता हूगरबीट्स ने पिछले कुछ दिनों में पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों में हो रही भूगर्भीय गतिविधियों का अध्ययन कर यह सटीक अनुमान व्यक्त किया था।

हूगरबीट्स का कहना है कि वह अपने अध्ययन में ग्रहों की स्थिति पर ध्यान देते हैं, जिसके आधार पर भूकंपीय हलचलों को पढ़ा जा सकता है। कहा जा रहा है कि अगर उनकी भविष्यवाणी को गंभीरता से लिया जाता, तो इतने बड़े विनाश को टाला जा सकता है। लेकिन भूगर्भशास्त्री और भूकंपवेत्ता इस राय से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका मानना है कि अभी विज्ञान इतना उन्नत नहीं हुआ है कि भूकंप को उसके आने से कई दिन पहले जान लिया जाए। नि:संदेह, वैज्ञानिक तौर-तरीकों के आधार पर भी भूकंप को पहले से जानना मुश्किल है। धरती के भीतर चल रही भूगर्भीय प्रक्रियाओं की वजह से हर साल दस करोड़ छोटे-मोटे भूकंप दुनिया में आते हैं। वैसे हर सेकेंड लगभग तीन भूकंप ग्लोब के किसी न किसी कोने पर सिस्मोग्रॉफ के जरिए अनुभव किए जाते हैं। इनमें से 98 फीसदी सागर तलों में आते हैं, इसलिए सतह पर महसूस ही नहीं होते। जो दो प्रतिशत जलजले सतह पर महसूस होते हैं, उनमें से भी करीब सौ भूकंप ही हर साल रिक्टर पैमाने पर दर्ज किए जाते हैं। इन्हीं कुछ दर्जन भूकंपों में बड़ा भारी विनाश छिपा रहता है। ऐसी भविष्यवाणी करने का मतलब अंधेरे में तीर चलाने जैसा है।

वैसे वैज्ञानिक कई विधियों से धरती के अंदर चल रही हलचलों की टोह लेने की कोशिश करते हैं। भूकंपवेत्ता धरती की भीतरी चट्टानी प्लेटों की चाल, अंदरूनी फॉल्ट लाइनों और ज्वालामुखियों से निकल रही गैसों के दबाव पर नजर रख कर भूकंप का पूर्वानुमान लगाने की कोशिश करते हैं। जापान और कैलिफोर्निया में जमीन के अंदर चट्टानों में ऐसे सेंसर लगाए गए हैं जो बड़ा भूकंप आने से ठीक 30 सेकेंड पहले इसकी चेतावनी जारी कर देते हैं। वर्ष 2005 में अमेरिका के जूलॉजिकल सर्वे विभाग ने तो इसके लिए बाकायदा एक वेबसाइट बनाई थीं, जिसमें स्थान विशेष के धरातल में हो रहे बदलावों पर नजर रखकर हर घंटे भूकंप की संभावना वाले क्षेत्रों का अनुमान लगाकर वे स्थान नक्शों में चिन्हित किए जाते हैं, जहां भूकंप की कोई आशंका हो। इन जानकारियों और गणनाओं के लिए उस विभाग में एक बड़ा नेटवर्क बना रखा है।

हालांकि, अमेरिका से उलट हमारी सरकार ने वर्ष 2015 में लोकसभा में बताया था कि भारत ही नहीं, दुनिया में कहीं भी भूकंप की भविष्यवाणी के लिए कोई तकनीक या प्रौद्योगिकी का विकास नहीं हुआ है। इस दिशा में अभी दुनियाभर में काम चल रहा है। अभी अप्रत्यक्ष माध्यम के जरिये कुछ आकलन किए जाते हैं, जिनमें तापमान में वृद्धि, हवा में नमी, पानी की लहरों में बदलाव आदि शामिल हैं। वहीं पक्षियों के स्वभाव में परिवर्तन देखकर अनुमान का आकलन किया जा रहा है। भारत में भी भूकंपों को लेकर चिंता है क्योंकि एक साल के अंदर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तरी इलाकों में कम ताकत वाले कई भूकंप आ चुके हैं। पर्वतीय राज्यों- खास तौर से उत्तराखंड से लेकर एनसीआर की जमीन के भीतर बहुत अधिक खिंचाव की स्थिति पैदा होने की बात कही जाती है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने कई बार चेताया है कि हिमालय क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप कभी भी आ सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है, जिससे वहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा जमा हो गई है और वह कभी भी बड़े विस्फोट के साथ बाहर निकल सकती है जो बड़े भूकंप का कारण बनेगी। इन खतरों से निपटने के लिए संबंधित राज्यों में कारगर नीतियां बनायी जानी चाहिए। वैसे भूकंप की ठीक-ठीक भविष्यवाणी संभव नहीं है। कई बार भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं। करीब बारह साल पहले इटली के छह साइंटिस्टों और एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ इसलिए हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था क्योंकि वे छह अप्रैल, 2009 को इटली के ला-अकिला में आए भूकंप की भविष्यवाणी नहीं कर पाये। उस इलाके में निकल रही रेडॉन गैस की मात्रा के आधार पर इन साइंटिस्टों ने आश्वस्त किया था कि फिलहाल खतरा ऐसा नहीं है कि पूरे इलाके को खाली कराया जाए। पर उनके आश्वासन देने के अगले दिन वहां 6.3 की ताकत वाला बड़ा भूकंप आ गया, जिसमें 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। वैसे भूकंप से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है सतर्कता और बचाव के इंतजाम करना। जैसे, अल्जीरिया में ज्यादातर स्कूलों और रिहायशी इलाकों की इमारतें सीस्मिक बिल्डिंग कोड के तहत बनाई गई हैं। इसी तरह कनाडा का अपना राष्ट्रीय बिल्डिंग कोड है और वहां अस्पताल, स्कूल व अन्य सरकारी-रिहायशी इमारतें इसी के तहत बनाई जाती हैं। मध्य अमेरिका में सेंट्रल अमेरिका स्कूल रेट्रोफिटिंग प्रोग्राम के तहत स्कूलों की बिल्डिंग्स को खतरे से बचाने के लिए खास इंतजाम किए गये हैं। चिली के स्कूलों में बच्चों को साल में तीन बार भूकंप से बचने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके तहत बाकायदा मॉक ड्रिल भी होती है।

पथरी और डायरिया में भूल से भी न खाएं टमाटर

प्रकृति शरीर और मस्तिष्क को सेहतमंद रखने के लिए औषधीय गुणों से युक्त फल, सब्जी, मसाले और द्रव्य प्रदान करती है। शरीर की भिन्न भिन्न समस्याओं के लिए उपयोगी प्राकृतिक भोज पदार्थ अमृत तुल्य हैं। ये खाद्य पदार्थ उपयोगी हैं, इस बात का प्रमाण प्राचीन आयुर्वेदिक व यूनानी ग्रंथों में ही नहीं मिलता, बल्कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी इनके गुणों का बखान करता है। कई वैज्ञानिक शोध में यह प्रमाणित हो चुका है कि फल, सब्जी, मेवे, मसाले और दूध- दही आदि पदार्थों में विटामिन, खनिज और कार्बोहाइड्रेट जैसे शरीर के लिए आवश्यक तत्वों का भंडार हैं। प्राकृतिक भोज्य पदार्थ शरीर को निरोगी बनाते हैं। इन्हीं औषधीय गुणों से युक्त फलों और सब्जियों की श्रेणी में टमाटर शामिल है। टमाटर के सेवन के कई फायदे हैं, लेकिन किसी भी चीज का सेवन अगर सही तरीके और मात्रा में न किया जाए तो वह नुकसान दायक भी हो सकता है।

टमाटर में पाए जाने वाले पोषक तत्व

टमाटर में अच्छी खासी मात्रा में विटामिन-ए, विटामिन-सी और विटामिन-के पाया जाता है। इसके अलावा पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, तांबा और नियासिन जैसे पोषक तत्व भी टमाटर में होते हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि टमाटर में सोडियम, कोलेस्ट्रॉल और कैलोरी की मात्रा बेहद ही कम होती है।

आंखों के लिए फायदेमंद

टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो आंखों के लिए फायदेमंद है। विटामिन और मिनरल के गुणों के कारण टमाटर के सेवन से आंखें स्वस्थ रहती हैं।

इम्यूनिटी होती है मजबूत

कोविड काल से लोग अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आहार में पौष्टिक चीजों का सेवन कर रहे हैं। ऐसे में टमाटर को अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं। विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, लाइकोपीन और बीटा-कैरोटीन के तत्व टमाटर में होते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए फायदेमंद हैं। सर्दी-जुकाम जैसे इंफेक्शन से बचाने का काम भी टमाटर करता है। टमाटर का सेवन वजन कम करने में मदद करता है। टमाटर में फाइबर के गुण होते हैं, जो आंतों को स्वस्थ रहता है। साथ ही सलाद में टमाटर खाने व सूप व जूस पीने से वजन कम किया जा सकता है।

डायरिया व एसिडिटी की शिकायत

जो लोग डायरिया की समस्या से ग्रसित हैं, उन्हें टमाटर का सेवन नहीं करना चाहिए। दस्त या डायरिया होने पर ज्यादा टमाटर खाने से तकलीफ अधिक बढ़ सकती है। टमाटर में साल्मोनेला नाम का बैक्टीरिया पाया जाता है, जो डायरिया बढ़ाने का काम करता है। टमाटर में बहुत अधिक मात्रा में अम्लीयता पाई जाती है। इसलिए टमाटर के अधिक सेवन से एसिडिटी की समस्या हो सकती है। टमाटर खाने से सीने में जलन की भी कुछ लोगों को शिकायत रहती है।

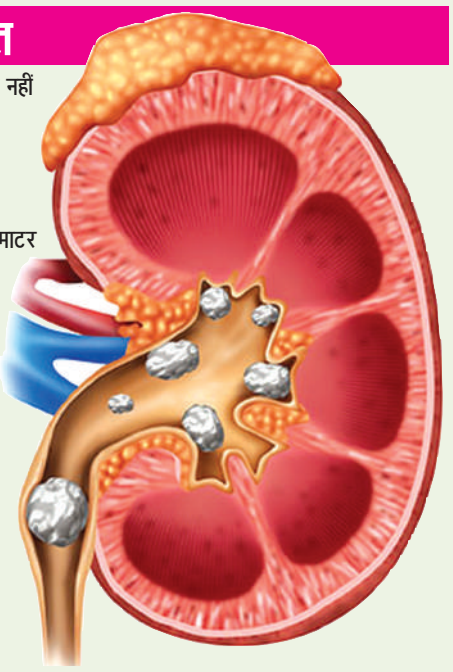

किडनी स्टोन का खतरा

अगर आपको किडनी से जुड़ी बीमारी है तो खानपान का विशेष ध्यान रखें। शोध के मुताबिक, टमाटर का अधिक सेवन किडनी स्टोन का खतरा बढ़ा सकता है। टमाटर में पाया जाने वाला कैल्शियम ऑक्सालेट किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे पथरी की शिकायत होने की संभावना है। ऐसे में अगर किडनी स्टोन के लक्षण दिखें तो टमाटर का सेवन न करें।

हंसना मना है

जिन्दगी की बात करते हो, यहां तो मौत भी हम से खफा है, हम ताज क्यों बनाए, अपनी तो मुमताज ही बेवफा है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज: जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर: जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक मे जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? पेशंट: पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ: सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबंड: तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है ईसे मुरझाने मत देना।

पप्पू का इंटरव्यू: बताओ वो कौन सी औरत हैं जिसको सौ प्रतिशत पता होता है की उसका हसबंड कहां है? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

पापा: नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा: मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नही कर सकते।

कहानी | प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई। **कहानी से सीख:** इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

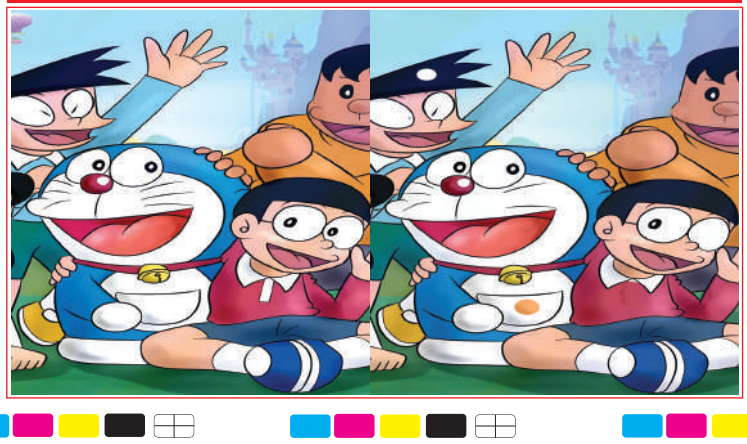

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

तुला: ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे।

वृषभ: शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी।

वृश्चिक: लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है।

मिथुन: पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

धनु: राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याए रह सकती हैं।

कर्क: यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है।

मकर: पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा।

सिंह: पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है।

कुम्भ: पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी।

कन्या: रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा।

मीन: बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा।

ट्रोलिंग पर गुस्से से लाल हुई जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर ने कड़ी मेहनत से बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाई है। बावजूद इसके एक्ट्रेस को अक्सर उनकी एक्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। हाल ही में ट्रोलिंग पर बात करते हुए जाह्नवी ने कहा कि जब लोग उन्हें नेपोटिज्म की प्रोडक्ट और उनकी एक्टिंग को लेकर मजाक बनाते हैं तो ये बात उन्हें बहुत तकलीफ देती है।

दरअसल जाह्नवी कपूर ने ट्रोलिंग पर बात करते हुए कहा कि, ये सब सुनकर बहुत दुख होता है क्योंकि आप अपने काम के लिए कड़ी मेहनत करते हो और कई तरह की परेशानियों से गुज़रते हैं, इसके बाद भी लोग आसानी से कह देते हैं कि एक्टिंग नहीं आती तो क्यों करती हो, नेपोटिज्म की प्रोडक्ट।

'जब कोई नेपोटिज्म की प्रोडक्ट बोलता है तो तकलीफ होती है'

वहीं अगर कोई ये कहता है, आप मिली में अच्छे थे, लेकिन आप दूसरी फिल्म में और बेहतर कर सकते थे, तो मैं उनका सम्मान करती हूं।वहीं आगे जाह्नवी ने अपनी मां श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, काजोल, करीना कपूर खान और आलिया भट्ट का उदाहरण देते हुए कहा, मैं एक दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी में काम करने के लिए बेहद एक्साइटिड हूं। जहां एक्टर आए और एक रोमांटिक गाना गाए। जोकि मेरे पास अभी तक नहीं है। इसलिए मैं ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वो हर तरह की फिल्म का हिस्सा होना चाहती है।

बॉलीवुड | मसाला

बता दें कि जाह्नवी बहुत जल्द राजकुमार राव के साथ फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आने वाली हैं। वहीं आखिरी बार उन्हें 'मिली' में देखा गया था। इस फिल्म में जाह्नवी के काम को दर्शकों ने काफी ज्यादा पसंद किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

पापा से झूठ बोलकर मुंबई आयी थी : पिया वाजपेयी

लाल रंग, मिर्जा जूलियट और लॉस्ट जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं पिया ने बताया कि वर्षों पहले जब उन्होंने अपना शहर छोड़ा तो उन्हें खुद पर इतना यकीन तो था कि वह कुछ बनकर ही लौटेंगी। हालांकि, इटावा के शीर्ष 10 लोगों में वह जगह बना पाएंगी, इसका विचार तक उन्हें नहीं था। पिया के मुताबिक एक कंप्यूटर कोर्स करने के बाद उन्होंने नोएडा में रिसेप्शन की नौकरी की। मगर, उस नौकरी में उनका मन नहीं लगा। पिया एक्टिंग की दुनिया में किस्मत चमकाना चाहती थीं और उन्होंने पिता से मुंबई जाने की जिद की। वे तैयार न हुए तो पिया ने अपने पिता से झूठ बोला कि एक टीवी शो में काम करने का ऑफर मिला है। घरवालों ने भी यकीन कर लिया और इस तरह मुंबई जाने का सफर शुरू हुआ। पिया के मुताबिक मुंबई पहुंचने के बाद उनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं थी। शुरुआत में वह दो दिन दादर के एक लॉज में ठहरीं। इसके बाद वह अंधेरी शिफ्ट हुईं। वहां उन्हें एक चॉल में एक पीजी में जगह तो मिली, लेकिन शर्त यह थी कि उन्हें कुत्ते के साथ रूम शेयर करना था। इस दौरान मैंने एक मैगजीन प्रकाश में कोर्डिनेशन का काम किया। इसके बाद एक गुजराती टूथपेस्ट का विज्ञापन मिला। फिर धीरे-धीरे प्रिंट एड में काम मिलने लगा। इसके बाद एक बड़े ब्रांड के साबुन का एड मिला, जिसके लिए मुझे अच्छी फीस मिली। कोविड महामारी के दौरान पिया ने अपने 27 साल के भाई को खो दिया। हैरानी की बात है कि दुख की इस घड़ी में पिया को एक रोमांटिक रोल करना था। पिया ने कहा, कोविड में जब मेरा भाई हमें छोड़कर गया उस समय उसका बेटा तीन साल और बेटी एक साल की थी। भाई की चिता को आग देने के बाद मैं सेट पर लौटी और लॉस्ट फिल्म की शूटिंग में रोमांटिक एक्टिंग की। मेरे भीतर क्या चल रहा था ये मैं ही जानती थी। हमारी इंडस्ट्री ही ऐसी है। एक्टर्स को काम के बीच में अपना दुख जताने का हक नहीं है। आज मैं अपनी पसंद का काम कर रही हूं और खुश हूं। खुशी इस बात की भी है कि भाई के जाने के बाद माता-पिता की जिम्मेदारी संभाल पा रही हैं।

शाहरुख की फिल्म पठान ने कमाई के तोड़े सभी रिकॉर्ड

शाहरुख खान की फिल्म पठान हिंदी, तमिल और तेलुगू, तीन भाषाओं में रिलीज़ हुई है। फिल्म भारत ही नहीं बल्कि वर्ल्डवाइड भी दमदार कमाई कर रही है। देश में फिल्म के हिंदी वर्जन ने तो कमाई के सारे रिकॉर्ड ही तोड़ डाले, लेकिन साउथ में तेलुगू और तमिल भाषा में फिल्म को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला। मेकर्स इसकी कमाई के आंकड़े को देख शायद निराश ही हो रहे होंगे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी पठान की चर्चा रिलीज के पहले से होने लगी थी। पहले शाहरुख की लंबे समय बाद वापसी और फिर 'भगवा रंग' का विवाद, इन वजहों से पठान देशभर में चर्चा में रही। बज़ भी क्रिएट हुआ,

लेकिन साउथ के सर्किट में इसका वैसा बज क्रिएट नहीं हो पाया, जैसा कि साउथ की कुछ हालिया सालों में रिलीज हुई फिल्मों का हिंदी पट्टी में हुआ। बाहुलबली-2, पुष्पा, केजीएफ-2, आरआरआर जैसी कई फिल्मों ने हिंदी में रिलीज होकर दमदार कमाई की फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक पठान 15 दिनों में तमिल और तेलुगू में महज 16.20 करोड़ रुपये का बिजनेस कर पाई है। दूसरे हफ्ते के पहले दिन शुक्रवार को फिल्म ने 50 लाख का बिजनेस किया था। इसके बाद शनिवार को कमाई बढ़ी और इसने 75 लाख कमा लिए। फिर रविवार को 1 करोड़, सोमवार को 30 लाख, मंगलवार को 25 लाख और बुधवार को भी करीब 25 लाख रुपये का ही बिजनेस किया तमिल तेलुगू में भले ही फिल्म को उम्मीद के मुताबिक दर्शक न मिले हों, लेकिन पठान का जलवा हिंदी में पूरी दुनिया में छाया हुआ है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड करीब 875 करोड़ रुपये का बिज़नेस कर लिया है। इसने भारत में 436.75 (हिंदी में) करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

ब्लेड के बीच में क्यों बनी रहती है खाली जगह, जानकर हो जायेंगे हैरान

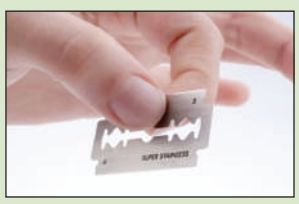

इंसान अपने स्वभाव से ही जिज्ञासु है, वो हर चीज के पीछे की वजह जरूर जानना चाहता है। कई बार तो चीजें इतनी सिंपल होती हैं कि पूछने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती लेकिन कई बार कुछ ऐसा भी नज़र के सामने आ जाता है, जिसके बारे में हमें आइडिया नहीं होता। मसलन शर्ट के पीछे एक एक्स्ट्रा बटन क्यों होता है, पेन की कैप में छेद क्यों होता है या फिर ब्लेड के बीच में ये डिज़ाइन सी क्यों बनी होती है? कम से कम इसमें से एक सवाल में हम आपकी मदद कर सकते हैं।

आपने देखा होगा कि ब्लेड चाहे जिस भी कंपनी के हों, उसका डिजाइन एक जैसा ही होता है। ये दुनिया के किसी भी कोने में बनाए जा रहे हों, लेकिन आप इसके पीछे का खाली स्पेस एक जैसा ही देखेंगे। मसलन ब्लेड के बीचोंबीच बनी हुई डिजाइन का आखिर क्या काम है? ये कोई इत्तेफाक नहीं है, इसके पीछे जरूरी कारण छिपा हुआ है। चलिए आज आपको बताते हैं इसके पीछे की वजह। ब्लेड को सबसे पहले साल 1901 में किंग कैंप जिलेट ने विलियम निकर्सन की मदद से बनाया। जिले कंपनी ने ब्लेड का पेटेंट भी ले लिया और फिर इसका 1904 से निर्माण शुरू कर दिया। उन्होंने ही इसे डिज़ाइन किया था। उस दौर में ब्लेड का इस्तेमाल सिर्फ और सिर्फ शेविंग के लिए होता था, ऐसे में इसके बीच खाली जगह और डिजाइन इस तरह से बनाया गया कि ये रेजर के बोल्ट में ढंग से फिट हो जाए। उस वक्त जिलेट के अलावा कोई भी प्लेयर मार्केट में नहीं था, ऐसे में ये डिज़ाइन उनका ही बनाया हुआ है। ब्लेड का धंधा जब फायदे का सौदा लगा, तो कई और कंपनियां भी इस क्षेत्र में उतर गईं। उस दौरान शेविंग रेजर का निर्माण सिर्फ जिलेट ही करता था, ऐसे में कंपनी कोई भी हो, उसे रेजर के मुताबिक ब्लेड का डिज़ाइन वही रखना पड़ा। इस वक्त रोज़ाना 10 लाख से ज्यादा ब्लेड बनाए जाते हैं और रेजर के भी यूज़ एंड थ्रो डिज़ाइन आने लगे हैं, लेकिन ब्लेड का डिज़ाइन तब से अब तक नहीं बदला।

अजब-गजब | यहां हर एक व्यक्ति के पास उपलब्ध है रोजगार

इस गांव में नहीं है कोई बेरोजगार

नागौर के एक ऐसे गांव के बारे मे बताते हैं कि जिसके लगभग हर घर मे रोजगार उपलब्ध है, क्योंकि यहां पर कृषि उपकरण में जई व चौसीगी व छः सीगी व अन्य छोटे अन्य उपकरण बनाये जाते हैं। लगभग 5000 आबादी वाले गांव मे हर व्यक्ति के पास रोजगार है।

नागौर के बुटाटी गांव कृषि उपरकणों के लिए प्रसिद्ध है। बुटाटी को कृषि उपकरणों का मिनी हब कहा जाता है। यहां पर कृषि उपकरणों में लकड़ी की जई, जेड़ी दो सींग, चार सींगा, छः सींगा, आठ सींगा, दस सींगा व बाहर सींगा जई व जड़ी बनाई जाती हैं। जो अपनी मजबूती व विशेष बनावट के लिए जानी जाती हैं।

जई व जेड़ी दो सींग से लेकर 12 सींगा तक बनाने वालो उपकरणों के लिए भरतपुर व दौसा से गागोन पेड़ की लकड़ी मंगवाकर बनाए जाते हैं। इस लकड़ी की खासियत है कि यह किसी भी संरचना में ढलने में सक्षम होती है। कृषि उपकरणों को संरचना देने के लिए लकड़ी को गर्म करके जेसीबी के पंजे के आकार की संरचना दी जाती है। इस लकड़ी की खासियत है कि यह बेहद मजबूत होती है। उसके बाद लकड़ी के बड़े डंडे में जोड़कर उसे चमड़े से मजबूती से बांध दिया जाता है। लकड़ी को चिकनाई देखकर उसे आकर्षक व सुंदर संरचना में ढाल देते हैं।

जई/जेढी/दो सींग से लेकर 12 सींग के उपकरण का उपयोग कृषि कार्य जैसे खेत में बाड़ बनाना जई के माध्यम से खेत में से कांटे व लकड़ी को हटाना, मूंग मोठ इत्यादि इकट्ठा करना और खेती के अन्य कार्यों मे उपयोग करते हैं। इसके अलावा लूग झाड़ने व अनेक कार्यों में उपयोग लिया जाता है। बुटाटी में जई उद्योग केंद्र लोगों का एक रोजगार का साधन है। बुटाटी गांव में लगभग 400 से 500 घरों में लकड़ी के कृषि उपकरण बनाने का कार्य किया जाता है। जो सीजन में 350 रूपये और ऑफ सीजन में 250 रूपये में बेचा जाता है। ठेकेदारों के माध्यम से प्रदेश भर में तथा मध्य प्रदेश गुजरात उत्तर प्रदेश इत्यादि में व्यापार किया जाता है। जई उद्योग चलाने वाले भंवरलाल ने बताया साल में एक बड़े उद्योग में लगभग 20 से 25 लाख रुपए का व्यापार हो जाता है तथा अपने घर में काम करने वाले कारीगरों की सालाना आय 1.50से 2 लाख रुपये के बीच होती है। नागौर के बुटाटी गांव में लकड़ी के उपकरणों का मार्केट स्थित है, जो अजमेर नेशनल हाईवे से शुरू होकर चतुरदास जी महाराज के मंदिर तक फैला हुआ है।

तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया मोहन भागवत का बयान : शाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बयान का बचाव किया है और कहा कि उनके बयान को मीडिया में तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया। उनके बयान में पंडित का मतलब विद्वानों से है किसी जाति विशेष से नहीं। उनका कहना था कि जाति व्यवस्था विद्वानों ने बनाई है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने अपने बयानों में कई बार इस बात की चर्चा की है कि वो जन्म आधारित जाति व्यवस्था को नहीं मानते हैं। भाजपा भी इस व्यवस्था को नहीं मानती। उनके बयान पर जो भी कहा जा रहा है कि वो कुतर्क है और कुछ नहीं।

केंद्रीय बजट को लेकर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य है इसलिए केंद्रीय बजट में विभिन्न योजनाओं में जो धनराशि दी गई है उसका सर्वाधिक फायदा उत्तर प्रदेश को होगा। यूपी सबसे ज्यादा फर्टिलाइजर का उपयोग करता है। सबसे ज्यादा योजनाओं का लाभ उत्तर प्रदेश को मिलता है इसलिए 166 लाख हैक्टेयर जमीन ऐसी है जिसमें खेती होती है। यह देश का सबसे बड़ा भूभाग है जिसमें खेती होती है। स्वाभाविक रूप से उस योजनाओं का लाभ सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश को मिलता है।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार भी राज्य स्तर पर भी कुछ योजनाओं को संचालित कर रही है जिसके माध्यम से बुंदेलखंड के सभी 7 जनपदों के 47 विकास खंडों में प्राकृतिक खेती शुरू की गई है। इसी तरह से पिछले रबी के सीजन में साढ़े नौ लाख मिनी किट किसानों को निशुल्क वितरित किए गए हैं जिसके तहत तिलहन और दलहन के बीज उपलब्ध कराए गए। जिससे राज्य के भीतर तिलहन और दलहन का उत्पादन बढ़ाया जा सके।

सुक्खू सरकार का बड़ा फैसला

तैनाती वाले स्थानों पर अब अफसर नहीं खरीद सकेंगे भूमि-फ्लैट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मंडलायुक्त, डीसी, एसपी सहित 50 से अधिक श्रेणी के अफसर अब अपनी पोस्टिंग वाले स्थानों पर भूमि और फ्लैट नहीं खरीद सकेंगे। सरकार ने इस संबंध में 15 फरवरी 2016 को जारी निर्देशों को रद्द करने और 12 जनवरी 1996, 16 अगस्त 1997 और 26 सितंबर 2012 के निर्देशों को बहाल करने का निर्णय लिया है।

नए निर्देशों के अनुसार कोई भी अधिकारी अब अपने नाम या परिवार के किसी सदस्य के नाम पर तैनाती के संबंधित क्षेत्राधिकार में भूमि, भवन-अचल संपत्ति नहीं खरीद सकता है। साथ ही, जिन अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है, उन्हें भी हाल ही के अधिकार क्षेत्र के भीतर भूमि, भवन व अचल संपत्ति खरीदने की अनुमति नहीं दी जाएगी। खरीद विलेख को पद का प्रभार छोड़ने की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक संबंधित अधिकारी व उसके परिवार के सदस्य के नाम पर पंजीकृत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कार्मिक विभाग ने सभी प्रशासनिक सचिवों, सभी विभागाध्यक्षों, मंडलीय आयुक्त व डीसी को इन संशोधित निर्देशों की कड़ाई से अनुपालन के लिए सभी संबंधितों के ध्यान में लाने को कहा है। इन निर्देशों को कार्मिक विभाग की वेबसाइट पर भी देखा जा

इसलिए लेना पड़ा फैसला

प्रदेश में फरवरी 2016 से पोस्टिंग वाले स्थानों पर भूमि और फ्लैट की खरीद की अफसरों को छूट दी थी। इस दौरान कई अफसरों ने प्रदेश में जगह-जगह अचल संपत्ति खड़ी कर दी है। उद्योग, श्रम, राजस्व, कृषि, जल शक्ति और कर एवं आबकारी विभाग के कई अधिकारी भूमि और फ्लैट खरीदने वालों में सबसे आगे हैं। इन सब मामलों पर संज्ञान लेते हुए प्रदेश सरकार ने अब सख्ती बरतना शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कार्मिक विभाग की ओर से भूमि और फ्लैट की खरीद पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। 1996, 1997 और 2012 के निर्देशों को बहाल किया गया है जिनमें अधिकारी तैनाती के संबंधित क्षेत्राधिकार में भूमि, भवन, अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते।

“ अधिकारियों की जनता में स्वच्छ छवि और प्रशासनिक सुधार के तहत, यह फैसला लिया गया है। जनता से सीधे संपर्क वाले अधिकारियों पर ये आदेश लागू होंगे। अधिकारियों पर उनके कार्यकाल के दौरान कोई उंगली न उठा सके, इसके लिए पुराने आदेशों को दोबारा लागू किया गया है।

– प्रबोध सक्सेना, मुख्य सचिव

पश्चिमी यूपी को पाक बनाने की तैयारी : सोम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ में सरधना से पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधा है। जिसमें प्रदेश के लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का आरोप लगाया है।

वायरल वीडियो में पूर्व विधायक ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिनी पाकिस्तान बनाए जाने के प्रयास पर सपा अध्यक्ष पर टिप्पणी की है। पूर्व विधायक ने कहा कि वर्तमान काल में बढ़ती हुई जनसंख्या राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। हमें जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उनके कार्यकर्ताओं द्वारा जाति को लेकर समाज में जातीय विद्वेष फैलाकर हिंदुओं की एकता को तोड़ने का घृणित प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में हम सब को गंभीरता से प्रयास करना होगा।

रिजवान की चार दिन की रिमांड मिली, जमानत अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जाजमऊ में जमीन कब्जाने के मामले में आरोपी सपा विधायक इरफान सोलंकी के भाई रिजवान को एसीएमएम तृतीय आलोक यादव की अदालत में पेश किया गया। अभियोजन की ओर से रिजवान की 14 दिन की रिमांड की मांग की गई।

बचाव पक्ष की ओर से इसका विरोध किया गया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने 13 फरवरी तक की रिमांड मंजूर कर ली है। रिजवान की ओर से दाखिल जमानत अर्जी को खारिज कर दिया गया है। बेकनगंज के कंघी मोहाल निवासी मो. नसीम आरिफ ने छह दिसंबर 2022 को जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें इरफान, रिजवान समेत छह नामजद व अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोप लगाया था कि उसकी 200 वर्गगज जमीन पर इरफान ने कब्जा कर लिया। जब मौके पर गया तो बुरी तरह मारापीटा और रिजवान ने मुंह में पिस्टल लगा दी। इसी मामले में सुनवाई के

बाद रिमांड मंजूर की गई है। बता दें कि जाजमऊ में प्लॉट पर कब्जे को लेकर आगजनी की घटना हुई थी। मामले में नजीर फातिमा ने 7 नवंबर 2022 को सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के खिलाफ प्लॉट पर कब्जे के लिए आग लगवाने का आरोप लगाते हुए जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस एक्शन के विरोध में आज उत्तराखंड बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में बेरोजगार संघ ने आज उत्तराखंड बंद का आह्वान किया है। जिला प्रशासन ने दून शहर में निषेधाज्ञा धारा 144 लागू कर दी है। आज देहरादून के घंटाघर क्षेत्र में दुकानें व प्रतिष्ठान बंद रखे गए। यहां जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा। बंद के मद्देनजर हल्द्वानी में भी पुलिस तैनात रही। राज्यभर में पुलिस सक्रिय दिखाई दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने युवाओं से किसी के भी बहकावे में नहीं आने और भ्रमित नहीं होने की अपील की है। बेरोजगार युवाओं ने अपनी मांगें मनवाने के लिए बुधवार को गांधी पार्क के बाहर सत्याग्रह शुरू किया था। यहां से देर रात पुलिस ने उन्हें उठा दिया। इससे गुस्साए युवा गुरुवार सुबह गांधी पार्क में जुटने लगे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। वहीं ऋषिकेश में भी प्रशासन की ओर से दो दिन के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है। तहसील क्षेत्र में धरना प्रदर्शन प्रतिबंधित किया गया है। उप जिलाधिकारी नंदन कुमार आईएएस की ओर से आदेश जारी किए गए है। उत्तराखंड युवा एकता मंच के आह्वान पर बेरोजगार युवा भर्ती घोटाला और बेरोजगारों से देहरादून में हुई बर्बरता को लेकर सड़कों पर हैं। इसी क्रम में हल्द्वानी में रानीबाग स्थित चित्रशिला घाट में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग, पुलिस व राज्य सरकार की सांकेतिक शवयात्रा निकालने के बाद युवाओं ने अंत्येष्टि और पिंडदान किया। इधर, बुद्ध पार्क में युवा आगे की रणनीति बनाने के लिए सभा करने पहुंचने लगे। जिसके लिए भारी पुलिस बल तैनात हो गया।

वहीं सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती परीक्षा के विवादित होने के बाद कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग, हरिद्वार के परीक्षा नियंत्रक सुंदर लाल सेमवाल को पद से हटाते हुए बाध्य प्रतीक्षा में रखा है।

शासन ने नगर मजिस्ट्रेट, हरिद्वार अवधेश कुमार सिंह को राज्य लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक का पदभार सौंपा है। अपर सचिव कर्मेंद्र सिंह द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सभी युवा धैर्य बनाए रखें। पुष्कर सिंह धामी सरकार उनके साथ है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा जो भ्रष्टाचार का तंत्र बनाया गया है सरकार उसे जड़े से उखाड़ने के लिए कृत संकल्प है।

बाबा के दरबार में अखिलेश, बोले-कॉरिडोर बना सपा सरकार में, ठप्पा लगा है भाजपा का

» सपा प्रमुख ने कहा, भाजपा के केंद्रीय मंत्री के कहने पर मैंने ठेका दिया

» सपा सरकार की ही देन है अंडरग्राउंड बिजली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दो दिवसीय पूर्वांचल के दौरे पर निकले हैं। इसी क्रम में अखिलेश शुक्रवार सुबह वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम गए और बाबा का पूजन-अर्चन किया।

दर्शन के बाद अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत भी की। अखिलेश बोले- कॉरिडोर बनने का जब निर्णय लिया गया तो कैबिनेट समाजवादी पार्टी की थी। मकान लेने की शुरुआत भी तभी हुई थी।

लेकिन ठप्पा भाजपा का लगा है। उन्होंने कहा, मैं आज बाबा के दरबार के कहता हूं कि ये समाजवादी पार्टी की योजना थी। भाजपा के केंद्रीय मंत्री ने ही मुझसे कहा ठेका देने को और मैंने दिया। अंडरग्राउंड बिजली समाजवादी ने ही दी है। अडानी मामले पर बोले-बुरे वक्त में दोस्ती की पहचान होती है। भाजपा को अपने दोस्त की पहचान करनी चाहिए और उनके साथ खड़े रहना चाहिए।

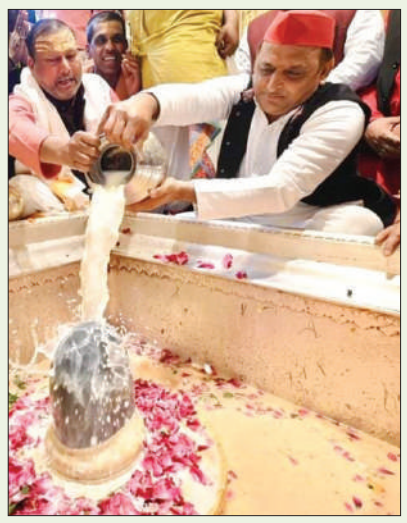

बता दें कि अखिलेश यादव गुरुवार को वाराणसी पहुंचे थे। जहां अखिलेश ने सरकार पर खूब प्रहार किए और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन को लेकर भी तंज कसे। बलिया और गाजीपुर में कार्यक्रम के बाद देर शाम बनारस लौटे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जवाहर नगर स्थित पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव स्व. प्रदीप बजाज के घर गए। परिजनों से मिले और उन्हें सांत्वना दी। साथ ही कहा कि प्रदीप बजाज से पुराने संबंध थे। उनसे नेताजी ने परिचय करवाया था। इसके बाद पत्रकारों से बात की और इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन पर सवाल उठाए।

सुप्रीम कोर्ट में दो नए जज नियुक्त पूरी हुई स्वीकृत जजों की संख्या

» 34 हो गई है अब शीर्ष अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में मंजूरी दे दी है। इस बात की जानकारी देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि भारत के संविधान के तहत प्रावधानों के अनुसार भारत के माननीय राष्ट्रपति ने दो उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। उन्हें मेरी शुभकामनाएं।

जिन दो मुख्य न्यायाधीशों को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया है, उनमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल और गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरविंद कुमार शामिल हैं। अब शीर्ष अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या 34 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में स्वीकृत न्यायाधीशों की संख्या भी 34 ही है। सुप्रीम कोर्ट के छह सदस्यीय कॉलेजियम ने 31 जनवरी को इन दो नामों को सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजे थे। इससे पहले 13 दिसंबर 2022 को पांच जजों के नामों की सिफारिश की गई थी। इन पांचों जजों ने छह फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर शपथ ली थी। इनमें राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पंकज मिथल, पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय करोल, मणिपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पीवी संजय कुमार, पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम शामिल है।

सीएम अशोक गहलोत ने विधानसभा में पढ़ा पुराना बजट, विपक्ष ने किया हंगामा

» इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान सदन की कार्यवाही की गई स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सरकार का बजट पेश होने से पहले ही विपक्ष ने भारी हंगामा किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अपने तीसरे कार्यकाल का आखिरी बजट पेश करने के दौरान विपक्ष ने भाषण शुरू होने के साथ ही हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने बजट लीक किया है और मुख्यमंत्री ने बजट की पुरानी लाइनें पढ़ी। वहीं इधर भारी हंगामे के बाद विपक्षी सदस्य सदन के वेल में आ गए और विपक्ष के हंगामे को देखते हुए स्पीकर सीपी जोशी ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। बताया जा रहा है कि राजस्थान विधानसभा के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान पहली बार सदन की कार्यवाही स्थगित की गई है।

बता दें कि सीएम ने अपना बजट भाषण शुरू करते ही कहा कि कर्म में अगर सच्चाई है तो कर्म सफल होगा, हर एक संकट का हल होगा, आज नहीं तो कल होगा। वहीं इसके बाद सीएम ने बजट घोषणाओं को पढ़ना शुरू किया।

दरअसल राजस्थान विधानसभा सदन में सीएम अशोक गहलोत अपने बजट भाषण के दौरान अचानक अटक गए। मालूम हो कि गहलोत ने सुबह 11 बजे बजट भाषण पढ़ना शुरू किया और थोड़ी ही देर बाद वह बजट पढ़ते-पढ़ते अटक गए। 125 दिन शहरी रोजगार गारंटी योजना की जानकारी बजट में आते ही गहलोत को गलती का एहसास हुआ। इस दौरान मंत्री महेश जोशी ने सीएम के पास जाकर यह गलती बताई और इस पर सीएम ने माफी मांगते हुए कहा कि गलती हो जाती है। वहीं इधर विपक्ष ने सवाल पूछा कि बजट के पेपर में पुराने बजट के कागज कैसे आ गए। बीजेपी नेता गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि सीएम ने पुराना बजट भाषण पढ़ा है।

बता दें कि अपने भाषण के दौरान सीएम गहलोत ने कहा कि अब मैं, शहरों में भी रोजगार सुनिश्चित करने के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना लागू करने की घोषणा करता हूं और इस योजना के माध्यम से आने वाले साल से शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवारों को भी उनके द्वारा मांगे जाने पर प्रतिवर्ष 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। इस पर लगभग 800 करोड़ रुपए वार्षिक खर्च होंगे।

भारी सुरक्षा के साये में सम्पन्न हुई किसान महापंचायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। गन्ना मूल्य, बकाया भुगतान, आवारा पशु, बिजली की दरें और किसानों के उत्पीड़न समेत अन्य मुद्दों पर राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में भाकियू की महापंचायत शुरू हो गई है। आज सुबह से ही किसानों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। उधर, भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत भी महापंचायत में पहुंच चुके हैं। वहीं भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत महापंचायत में शामिल होने के लिए सिसौली से समर्थकों के साथ रवाना हो गए हैं।

बताया गया कि महापंचायत में भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत और प्रवक्ता राकेश टिकैत के अलावा खापों के चौधरी भविष्य की रणनीति तय करेंगे। भाकियू जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा ने बताया था कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन चल रहा है। महापंचायत के जरिए किसानों की मांगों को पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा। सरकार किसानों की समस्याओं का समाधान करने में अब तक नाकाम साबित हुई है। पंचायत में भविष्य के आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। शीर्ष नेतृत्व किसानों की लड़ाई लड़ने के लिए खाप चौधरियों और संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के साथ रणनीति तैयार करेगा।

इन संस्थानों में है छुट्टी

मुजफ्फरनगर शहर के सरकुलर रोड पर पड़ने वाली अधिकतर शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित किया गया है। डीआईओएस गजेंद्र कुमार ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज, चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज, एमजी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, डायट, आर्य समाज रोड स्थित इस्लामिया इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, नवाब अजमत इंटर और डिग्री, जैन इंटर मीनाक्षी चौक पर शुक्रवार को अवकाश है।

पंचायत स्थल पर पहुंचे अधिकारी

पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की कमान एसपी सिटी अर्पित विजय वर्गीय को सौंपी गई हैं। किसान वाहनों के लिए डीएवी इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, जीआइसी के सामने स्कूल के मैदान में व्यवस्था की गई है। उधर, एडीएम प्रशासन नरेंद्र बहादुर सिंह ने पंचायत स्थल पर पहुंचकर भाकियू नेताओं से बातचीत की।

यहां से बुलाया गया पुलिसबल

जनपद मेरठ, सहारनपुर, शामली और बुलंदशहर जिलों से पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा व व्यवस्था बनाए रखने के लिए पंचायत स्थल के आसपास एसपी सिटी, एसपी देहात, एसपी क्राइम, एएसपी बुलंदशहर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंचायत स्थल के आसपास व मार्ग के भवन, होटल की छतों पर पुलिस को निगरानी के लिए तैनात किया हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।